



16 August, 2024

वरिष्ठ अधिवक्ताओं की नियुक्ति

संदर्भ: हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने 39 वकीलों को वरिष्ठ अधिवक्ता नियुक्त किया, जिनमें 10 महिलाएं भी शामिल हैं।

वरिष्ठ अधिवक्ता पदनाम के लिए नए दिशानिर्देश (2023)

- **पात्रता** : भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) या सर्वोच्च न्यायालय का कोई भी न्यायाधीश किसी वकील को वरिष्ठ अधिवक्ता पद के लिए सिफारिश कर सकता है।
- **आयु की आवश्यकता** : पदनाम के लिए न्यूनतम आयु 45 वर्ष है, हालांकि वरिष्ठ अधिवक्ताओं की पदनाम समिति, मुख्य न्यायाधीश या उच्चतम न्यायालय के किसी अनुशासित न्यायाधीश द्वारा इसमें छूट दी जा सकती है।
- **मूल्यांकन मानदंड** : आवेदकों का मूल्यांकन 100 अंकों के पैमाने पर किया जाता है। उल्लेखनीय है कि अकादमिक प्रकाशनों और शिक्षण अनुभव के लिए केवल 5 अंक आरक्षित हैं, जो 2018 के दिशानिर्देशों में 15 अंकों से कम है। रिपोर्ट किए गए और अप्रतिबंधित दोनों तरह के निर्णयों के लिए भारंश 40 से बढ़ाकर 50 अंक कर दिया गया है।

2018 के दिशानिर्देश और उनकी उत्पत्ति

- **उद्देश्य** : वरिष्ठ अधिवक्ता पदनाम प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए 2018में दिशानिर्देश प्रस्तुत किए गए थे, जो अधिवक्ता अधिनियम, 1961 की धारा 16 के तहत पूर्ववर्ती प्रणाली को प्रतिस्थापित करते हैं।
- **पदनाम हेतु समिति** : वरिष्ठ अधिवक्ताओं के पदनाम हेतु एक समिति की स्थापना की गई, जिसके अध्यक्ष मुख्य न्यायाधीश होंगे तथा जिसमें वरिष्ठ न्यायाधीश, अटॉर्नी जनरल और बार का एक सदस्य शामिल होगा।
- **आवेदन प्रक्रिया** : अधिवक्ता एक 'स्थायी सचिवालय' के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं, जो अन्य मानदंडों के अलावा कानूनी अनुभव के आधार पर आवेदनों का मूल्यांकन करेगा।
- **2017 के निर्णय का प्रभाव** : ये दिशानिर्देश 2017 के सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बाद जारी किए गए, जिसमें पदनाम की प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता की बात कही गई थी तथा इसमें होने वाले अस्पष्टता और भाई-भतीजावाद की आलोचनाओं का जवाब दिया गया था।

2023 में नए दिशानिर्देशों के कारण

- **केंद्र की आपत्तियाँ** : केंद्र ने 2018 के दिशानिर्देशों, विशेष रूप से अंक-आधारित प्रणाली को चुनौती दी, यह तर्क देते हुए कि यह व्यक्तिपरक था और वरिष्ठ अधिवक्ता पदनाम की गरिमा को कम करता है।
- **प्रकाशनों के बारे में चिंताएं** : केंद्र ने निम्न-गुणवत्ता वाली पत्रिकाओं के प्रचलन का हवाला देते हुए प्रकाशनों को दिए जाने वाले उच्च महत्व की आलोचना की थी।
- **गुप्त मतदान** : केंद्र ने उम्मीदवारों के लिए मतदान हेतु गुप्त मतदान की पुनः बहाली की भी मांग की, ताकि न्यायाधीशों को बिना किसी दबाव के अपने विचार व्यक्त करने की अनुमति मिल सके।

वरिष्ठ अधिवक्ता

- अधिवक्ता अधिनियम "वरिष्ठ अधिवक्ताओं" को वकीलों के एक अलग समूह के रूप में वर्गीकृत करता है।
- सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों को वरिष्ठ अधिवक्ताओं को नामित करने का अधिकार है।
- सर्वोच्च न्यायालय में, भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) की अध्यक्षता में एक स्थायी समिति होती है, जिसमें पदनाम प्रक्रिया की देखरेख के लिए सर्वोच्च न्यायालय के दो वरिष्ठतम न्यायाधीश, अटॉर्नी जनरल और एक बार सदस्य शामिल होते हैं।

- यह पदनाम योग्यता, अनुभव, कानूनी ज्ञान और बार में प्रतिष्ठा के आधार पर दिया जाता है।
- पात्र होने के लिए, एक वकील के पास न्यूनतम दस वर्ष का अनुभव होना चाहिए, या वकील और न्यायिक अधिकारी के रूप में संयुक्त रूप से दस वर्ष का अनुभव होना चाहिए।
- न्यूनतम आयु आवश्यकता 45 वर्ष है, लेकिन समिति द्वारा या मुख्य न्यायाधीश या सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की सिफारिश पर इसमें अपवाद किया जा सकता है।
- वरिष्ठ अधिवक्ताओं को अन्य वकीलों की तुलना में पूर्व-श्रोतावृत्ति (pre-audience) का अधिकार है तथा उनकी रैंक वरिष्ठता के आधार पर निर्धारित होती है।

अधिवक्ताओं के प्रकार

- वकील किसी भी अदालत या न्यायाधिकरण में किसी भी पक्ष की ओर से उपस्थित होकर बहस कर सकते हैं।
- एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड (एओआर) के पास सुप्रीम कोर्ट के समक्ष कानूनी दस्तावेज दाखिल करने, तैयार करने और मौखिक तैयार करने का विशेष अधिकार है। यह पदनाम सुप्रीम कोर्ट के लिए विशिष्ट है।
- वरिष्ठ अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट में एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड के बिना या भारत में किसी अन्य न्यायालय या न्यायाधिकरण में जूनियर अधिवक्ता के बिना उपस्थित नहीं हो सकते। उन्हें याचिका या हलफनामा तैयार करने, साक्ष्य पर सलाह देने या कोई मौखिक तैयार करने का काम करने के लिए निर्देश स्वीकार करने की भी अनुमति नहीं है।

NEOWISE परियोजना

संदर्भ: 2011 में प्रक्षेपित नासा का NEOWISE मिशन पिछले सप्ताह तक संचालित था, जिसने पृथ्वी से संभावित टकराव वाले 3,000 से अधिक निकट-पृथ्वी पिंडों (NEOs) का पता लगाया है।

प्रक्षेपण और प्रारंभिक परिचालन

- दिसंबर 2009 में नासा द्वारा प्रक्षेपित वाइड-फील्ड इन्फ्रारेड सर्वे एक्सप्लोरर (WISE) एक्सप्लोरर्स कार्यक्रम का हिस्सा था।
- यह WISE, IRAS, AKARI और COBE के DIRBE जैसे पूर्ववर्ती सर्वेक्षणों की तुलना में 1,000 गुना अधिक संवेदनशील था, तथा इसने 1999 में वाइड फील्ड इन्फ्रारेड एक्सप्लोरर (WIRE) द्वारा अनुभव की गई विफलता से स्वयं को बचा लिया।

"शीत" मिशन ("Cold" Mission)

- आधिकारिक रूप से आकाश सर्वेक्षण 14 जनवरी 2010 को शुरू हुआ, जिसमें आकाश का 99% भाग कवर किया गया तथा प्रत्येक स्थिति का कम से कम आठ बार चित्र लिया गया।
- अंतरिक्ष यान ने दस महीनों में 1.5 मिलियन चित्र खींचे, जिनका रिजॉल्यूशन 6 आर्कसेकेंड और दृश्य क्षेत्र 47 आर्कमिनट था।
- WISE ने कम तापमान के कारण कुइपर बेल्ट (Kuiper belt) की वस्तुओं का पता नहीं लगाया, केवल प्लूटो ही इसका अपवाद था। इसने 70-100 केल्विन से अधिक गर्म वस्तुओं का पता लगाया, जिसमें 700 AU तक के नेपच्यून आकार की वस्तुएँ और 1 प्रकाश वर्ष दूर तक के बृहस्पति-द्रव्यमान वाली वस्तुएँ शामिल हैं।
- 300,000 मुख्य-बेल्ट क्षुद्रग्रहों और 700 NEOs की खोज की उम्मीद में, WISE ने कई नए क्षुद्रग्रहों और धूमकेतुओं की सफलतापूर्वक खोज की।

Face to Face Centres





16 August, 2024

➤ NEOWISE (प्री-हाइबरनेशन)

- नासा ने अक्टूबर 2010 में WISE को NEOWISE के रूप में विस्तारित किया, ताकि इसकी शेष पहचान क्षमता का उपयोग करके पृथ्वी के निकट स्थित वस्तुओं (NEO) की खोज की जा सके।
- NEOWISE ने 158,000 विशिष्ट पिंडों में से 20 नए धूमकेतु और 35,000 नए लघु ग्रहों की खोज की है।
- 1 फरवरी 2011 को WISE ने अपना क्षुद्रग्रह बेल्ट स्कैन पूरा करने के बाद हाइबरनेशन में प्रवेश कर लिया तथा 20 सितम्बर 2012 को इसकी स्थिति की जांच की गई।

➤ NEOWISE -

- NEO की खोज के लिए 21 अगस्त 2013 को NEOWISE को पुनः सक्रिय किया गया, जिसमें चेल्याबिंस्क उल्का घटना की प्रतिक्रिया भी शामिल थी।
- दिसंबर 2013 तक इसने 75 k ((-198.2 °C; -324.7 °F)) पर पुनः परिचालन शुरू कर दिया और 6,40,000 वस्तुओं की पहचान की जिसमें 416 नई वस्तु थी तथा इसमें एक चौथाई NEOs थीं।
- जुलाई 2024 तक, NEOWISE ने 399 NEO की पहचान की थी, जिनमें 365 पृथ्वी के निकट स्थित क्षुद्रग्रह (NEAs) और 66 संभावित खतरनाक क्षुद्रग्रह (PHAs) शामिल हैं।

➤ मिशन के लक्ष्य और क्षमताएँ

- WISE का लक्ष्य अवरक्त तरंगदैर्घ्य में आकाश के 99% भाग का चित्रण करना था, जिसमें सटीकता में सुधार के लिए प्रत्येक स्थान पर कम से कम आठ चित्र शामिल थे।
- अंतरिक्ष यान ने अपने मिशन के दौरान 1.5 मिलियन तस्वीरें लीं, जिनमें क्षुद्रग्रहों, ठंडे तारों, चमकदार अवरक्त आकाशगंगाओं और प्रोटो-ग्रहीय डिस्क (proto-planetary discs) का पता लगाया गया।
- विज्ञान संचालन और डेटा प्रसंस्करण का कार्य कैलटेक के इन्फारेड प्रसंस्करण और विश्लेषण केंद्र में किया गया।
- WISE ऑल-स्काई (WISEA) डेटा, जिसमें चित्र और स्रोत कैटलॉग शामिल हैं, 14 मार्च 2012 को सार्वजनिक रूप से जारी किया गया तथा यह इन्फारेड साइंस आर्काइव पर उपलब्ध है।

➤ मिशन का अंत

- 13 दिसंबर 2023 को, जेपीएल ने घोषणा की कि NEOWISE निम्न कक्षा में प्रवेश करेगा और बड़ी हुई सौर गतिविधि के कारण 2025 की शुरुआत तक अनुपयोगी हो जाएगा।
- 8 अगस्त 2024 को, जेपीएल ने पुष्टि की कि NEOWISE का विज्ञान सर्वेक्षण 31 जुलाई 2024 को समाप्त हो गया है, और 2024 के अंत में पुनः प्रवेश की उम्मीद है।
- NEOWISE के उत्तराधिकारी, NEO सर्वेयर को NEOWISE के निष्कर्षों के आधार पर 2028 में प्रक्षेपित किया जाना है।

एक्सट्रीमोफाइल बैक्टीरिया

संदर्भ: वैज्ञानिकों ने चरम परिस्थितियों में जीवित रहने वाले सूक्ष्मजीवों—जिन्हें *extremophiles* कहा जाता है—को ज्वालामुखीय छिद्र (vents), स्थायी रूप से जमी हुई जमीन, अम्लीय खदानों, गहरे समुद्री छिद्र और बर्फ से ढके झीलों के अलावा अंतरिक्ष यान की सतहों और परमाणु कचरे की साइटों से भी अलग किया है।

➤ चरम वातावरण के प्रति अनुकूलन:

- एक्सट्रीमोफाइल कठोर परिस्थितियों (उच्च तापमान, सूखा, अम्लीयता) में पनपते हैं।
- वे विशिष्ट क्षेत्रों के अनुरूप प्रोटीन के कई समूहों का उपयोग करते हैं।

➤ वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुप्रयोग:

- थर्मस एक्वाटिक्स: पीसीआर में प्रयुक्त टैक डीएनए पॉलीमरेज का उत्पादन करता है, जो डीएनए का पता लगाने के लिए महत्वपूर्ण है।
- अन्य एक्सट्रीमोफाइल एंजाइमों का उपयोग आणविक जीव विज्ञान में किया जाता है।

➤ वर्तमान अनुसंधान पहल:

- अर्थ माइक्रोबायोटम परियोजना (2010):** इसके अंतर्गत 2,00,000 नमूनों को अनुक्रमित किया गया तथा 500,000 माइक्रोबियल जीनोमों को एकत्रित किया गया।
- पृथ्वी जैवजीनोम परियोजना:** इसमें जैवविविधता का मानचित्रण करने के लिए सभी यूकेरियोटिक जीवों के जीनोम को अनुक्रमित करना शामिल है।

➤ जीनोमिक प्रगति:

- अनुक्रमण और डीएनए संश्लेषण बड़े पैमाने पर जैविक अनुप्रयोगों को सक्षम बनाते हैं।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता और सिंथेटिक जैविक प्रणालियों के लिए जीवों को संसोधित करने की क्षमता को सक्षम बनाते हैं।

➤ अंतरिक्ष अनुसंधान:

- डाइनोकोकस रेडियोड्यूरानस : यह उच्च गुरुत्वाकर्षण बल और अंतरिक्ष जैसी चरम स्थितियों में जीवित रहते हैं।
- यह अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए लचीलापन और क्षमता प्रदर्शित करता है।

➤ रोजमर्रा की वस्तुओं में सूक्ष्मजीव समुदाय:

- कॉफी मशीनें:** यह कैफीन को तोड़ने वाले सूक्ष्मजीवों को शामिल करती हैं तथा कैफीन मुक्त करने और जैव-उपचार के लिए जानकारी प्रदान करती हैं।
- डिशवांशर:** यह बैक्टीरिया और फंगल प्रजातियों का आश्रय स्थल होती हैं, जिनमें अवसरवादी रोगजनक भी शामिल हैं।
- माइक्रोवेव ओवन:** बैक्टीरिया समुदाय रसोई के सतहों के समान होते हैं; अतिरिक्त स्वास्थ्य जोखिम की कोई जानकारी नहीं है।

➤ स्वास्थ्य और सुरक्षा:

- रसोई की सतहों की तुलना में माइक्रोवेव में रोगाणुओं से रोग का कोई अधिक खतरा नहीं है।
- विभिन्न वातावरण विशिष्ट सूक्ष्मजीव समुदायों का चयन करते हैं।

➤ जैवउपचार की संभावना:

- एक्सट्रीमोफाइल की लचीलापन विषाक्त अपशिष्ट के जैव-उपचार में अनुप्रयोगों का सुझाव देता है।
- एक्सट्रीमोफाइल के कुछ उदाहरण

Face to Face Centres





16 August, 2024

अवधि	विवरण	उदाहरण
एसिडोफाइल	3.0 या उससे कम पीएच स्तर पर इष्टतम वृद्धि वाला जीव।	एसिडिथियोबैसिलस फेरोऑक्सीडांस
क्षारप्रेमी	9.0 या उससे अधिक पीएच स्तर पर इष्टतम वृद्धि वाला जीव।	नैट्रोनुमोनस फ्राओनिस
कैपनोफाइल	कार्बन डाइऑक्साइड की उच्च सांद्रता में इष्टतम वृद्धि वाला जीव।	मैनहेमिया सक्सिनिसिप्रोड्यूसंस
हेलोफाइल	उच्च नमक सांद्रता में इष्टतम वृद्धि वाला जीव।	हेलोबैक्टीरियम सेलिनेरम
हाइपरपीजोफाइल	50 MPa से अधिक हाइड्रोस्टैटिक दबाव पर इष्टतम वृद्धि वाला जीव।	थर्मोकोकस बैरोफिलस
हाइपरथर्मोफाइल	80° C (178° F) से अधिक तापमान पर इष्टतम वृद्धि वाला जीव।	पायरोलोबस फूमारी
मेटालोटोलरेंट	भारी धातुओं के उच्च स्तर को सहन करने में सक्षम जीव।	फेरोप्लाज्मा प्रजाति, क्यूप्रियाविडस मेटालिड्यूरॉस , जीएफएजे-1
ओलिगोट्रोफ़	पोषण की दृष्टि से सीमित वातावरण में इष्टतम वृद्धि वाला जीव।	पेलाजिबैक्टर सर्वव्यापी
ऑस्मोफाइल	उच्च शर्करा सांद्रता वाले वातावरण में इष्टतम वृद्धि वाला जीव।	सैकरोमाइसिस रौक्सी
पाइज़ोफाइल	10 MPa से अधिक हाइड्रोस्टैटिक दबाव में इष्टतम वृद्धि वाला जीव।	मैरिनिटोगा पीजोफिला
पॉलीएक्सट्रीमोफाइल	वह जीव जो एक से अधिक श्रेणियों के अंतर्गत एक्सट्रीमोफाइल के रूप में योग्य हो।	डाइनोकोकस रेडियोइयूरॉस
साइक्रोफाइल/क्रायोफाइल	15° C (59° F) या उससे कम तापमान पर इष्टतम वृद्धि वाला जीव।	स्यूडोमोनास सिरिजे
रेडियोप्रतिरोधी	उच्च स्तर के आयनकारी विकिरण के प्रति प्रतिरोधी जीव।	डाइनोकोकस रेडियोइयूरॉस
सल्फोफाइल	सल्फर की उच्च सांद्रता में इष्टतम वृद्धि वाला जीव।	सल्फ्यूरोवम एप्सिलॉनप्रोटिओबैक्टीरिया
थर्मोफाइल	45° C (113° F) से अधिक तापमान पर इष्टतम वृद्धि वाला जीव।	थर्मस एक्वाटिकस
शुष्कप्रेमी	0.8 से नीचे जल गतिविधि पर इष्टतम वृद्धि वाला जीव।	एस्पेरजिलस नाइजर

NEWS IN BETWEEN THE LINES

हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में एम्पोक्स प्रकोप के बाद बुर्कंडी, केन्या, रवांडा और युगांडा तक फैलने के बाद एम्पोक्स को फिर से वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है।

एम्पोक्स के बारे में:

एम्पोक्स (Mpox)



- एम्पोक्स, जिसे पहले मंकीपोक्स के नाम से जाना जाता था, मंकीपोक्स वायरस के कारण होने वाला एक दुर्लभ वायरल संक्रमण है।
- यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति और पर्यावरण से लोगों में फैल सकता है।
- यह एक जूनोसिस है, जिसका अर्थ है कि यह संक्रमित जानवरों से मनुष्यों में फैल सकता है।
- यह पश्चिम, मध्य और पूर्वी अफ्रीका के घने वन क्षेत्रों में स्थानिक है।
- एम्पोक्स के लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, पीठ दर्द, थकावट, सूजे हुए लिम्फ नोड्स, चेहरे पर दाने निकलना और फैलना और ठंड लगना शामिल हैं।
- एम्पोक्स जीनोम को दो व्यापक क्लेड में वर्गीकृत किया जा सकता है, I और II, जिनमें से प्रत्येक में अलग-अलग उप-क्लेड या वंश हैं।
- क्लेड IIb को 2022 के प्रकोप में शामिल किया गया था और इसने उच्च मानव-से-मानव संचरण का प्रदर्शन किया, जो अनुकूलनशीलता को दर्शाता है।
- इस वायरस ने 2022-2023 में वैश्विक प्रकोप का अनुभव किया, जिसके कारण WHO द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल की घोषणा की गई।
- इस प्रकोप ने 118 से अधिक देशों को प्रभावित किया और लगभग 100,000 लोगों को संक्रमित किया, जिसमें मृत्यु दर 1-10% के बीच थी।

Face to Face Centres



16 August, 2024

सीमांत उधार दर

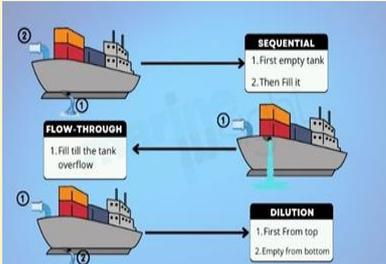


हाल ही में, भारतीय स्टेट बैंक (SBI) ने 15 अगस्त से प्रभावी सभी अवधियों में सीमांत उधार दर (MCLR) में 10 आधार अंकों की वृद्धि की है।

सीमांत उधार दर के बारे में:

- सीमांत निधि आधारित उधार दर (MCLR) वह न्यूनतम ब्याज दर है जो बैंक भारत में उधारकर्ताओं से वसूल सकते हैं।
- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने 2016 में आधार दर प्रणाली को बदलने के लिए MCLR लागू किया, जिसका उपयोग वाणिज्यिक बैंकों के लिए उधार दरों को निर्धारित करने के लिए किया जाता था।
- यह एक आंतरिक संदर्भ दर है जिसका उपयोग बैंक ऋण पर लगाए जा सकने वाले ब्याज की गणना करने के लिए करते हैं।
- यह बैंक की सीमांत निधि लागत पर आधारित है, जो पैसे उधार लेने की लागत है।
- इसकी गणना निधि की सीमांत लागत, ऋणात्मक कैरी-ऑन नकद आरक्षित अनुपात, परिचालन लागत और अवधि प्रीमियम के आधार पर की जाती है।
- बैंक संभावित खरीदार के लिए धन की व्यवस्था करने की अतिरिक्त लागत पर विचार करके MCLR की गणना करते हैं।
- बैंक हर महीने MCLR की समीक्षा करता है और दर में कोई भी बदलाव इससे जुड़े ऋणों पर ब्याज दरों को प्रभावित करता है।
- यह बैंकों द्वारा ब्याज दरों को निर्धारित करने के तरीके और नीति दरों को उधार दरों में कैसे प्रेषित किया जाता है, इस बारे में पारदर्शिता को बेहतर बनाने में मदद करता है। इसका उपयोग होम लोन सहित ऋणों पर ब्याज दरें निर्धारित करने के लिए एक बेंचमार्क के रूप में भी किया जाता है।

बैलास्ट वाटर



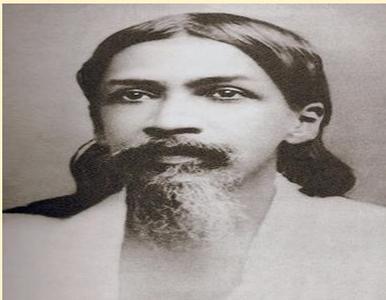
हाल ही में, तमिलनाडु जल संसाधन विभाग (WRD) ने आक्रामक चारू मसल (musse) से निपटने के लिए कामराजर पोर्ट से ₹160 करोड़ मांगे, बंदरगाह के बैलास्ट वाटर के प्रसार के लिए दोषी ठहराया।

बैलास्ट वाटर के बारे में:

- बैलास्ट वाटर ताजा या खारा पानी होता है जिसे जहाज अपने बैलास्ट टैंक और कार्गो होल्ड में रखते हैं ताकि उन्हें यात्रा के दौरान चलने और स्थिर रहने में मदद मिल सके।
- इसका उपयोग तब किया जाता है जब जहाज माल नहीं ले जा रहा हो, असमान भार ले जा रहा हो, या उबड़-खाबड़ समुद्र मार्ग में हो।
- जहाज तटीय क्षेत्रों में बैलास्ट वाटर को अपने टन भार का 10-50% भरने के लिए लेते हैं और फिर लोड बदलने पर इसे निकाल देते हैं।
- बैलास्ट वाटर में हजारों जलीय जीव हो सकते हैं, जिनमें सूक्ष्म जीव, पौधे और जानवर शामिल हैं।
- जब जहाज अपने गंतव्य पर अनुपचारित बैलास्ट वाटर छोड़ते हैं, तो ये जीव दुनिया भर में फैल सकते हैं और संभावित रूप से नए वातावरण में आक्रामक प्रजातियों को पेश कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, चीनी मिटन केकड़े को 1912 में पश्चिमी यूरोप, बाल्टिक सागर और उत्तरी अमेरिकी पश्चिमी तट पर लाया गया था।
- अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) का बैलास्ट वाटर मैनेजमेंट (BWM) कन्वेंशन 8 सितंबर, 2017 को लागू हुआ।
- ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देश अपने पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील क्षेत्रों, जैसे ग्रेट बैरियर रीफ के कारण सख्त नियम लागू करते हैं।
- भारत बैलास्ट वाटर मैनेजमेंट कन्वेंशन का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है, जिसका अर्थ है कि भारतीय बंदरगाहों में बैलास्ट वाटर डिस्चार्ज के लिए कोई विशिष्ट नियम नहीं हैं।
- परिणामस्वरूप, भारतीय बंदरगाह बैलास्ट वाटर मैनेजमेंट मानकों को लागू नहीं करते हैं, जिससे बैलास्ट वाटर के माध्यम से आक्रामक प्रजातियों के विनियमन में कमी रह जाती है।

खबरों में व्यक्तित्व

श्री अरबिंदो



15 अगस्त को भारत के प्रधानमंत्री ने श्री अरबिंदो को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी है।

श्री अरबिंदो (15 अगस्त 1872 - 5 दिसंबर 1950)

श्री अरबिंदो/अरबिंदो घोष, एक प्रतिष्ठित भारतीय दार्शनिक, विचारक, आध्यात्मिक नेता, कवि और भारतीय राष्ट्रवादी थे, जिनका जन्म कलकत्ता (अब कोलकाता), बंगाल प्रेसीडेंसी में हुआ था।

योगदान:

- श्री अरबिंदो ने 1890 में भारतीय सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण की, लेकिन घुड़सवारी परीक्षा में असफल होने के कारण वे इसमें शामिल नहीं हो सके।
- वे भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में एक अग्रणी व्यक्ति बन गए और अंग्रेजी समाचार पत्र बंदे मातरम और बंगाली सामाहिक युगांतर के लिए निर्भीक लेख लिखे।
- उन्होंने ब्रिटिश शासन से स्वराज (स्वतंत्रता) को बढ़ावा देने के लिए सामाहिक अंग्रेजी पत्रिका धर्म शुरू की।
- वे 1905 के बंगाल विभाजन के खिलाफ एक सक्रिय प्रदर्शनकारी थे, उन्होंने ब्रिटिश संस्थाओं और वस्तुओं के बहिष्कार की वकालत की।
- उनकी प्रमुख रचनाओं में एसेज ऑन द गीता (1922), द लाइफ डेवाइन (1939), कलेक्ट्रेड पोयम्स एंड प्लेज (1942), द सिंथेसिस ऑफ योगा (1948), द ह्यूमन साइकिल (1949), द आइडियल ऑफ ह्यूमन यूनिटी (1949), सावित्री: ए लेजेड एंड ए सिंबल (1950) और ऑन द वेद (1956) शामिल हैं।

Face to Face Centres





16 August, 2024

POINTS TO PONDER

- नवीनतम अपडेट के अनुसार, भारत में कौन से नए रामसर स्थल सूची में जोड़े गए हैं, जिससे कुल संख्या बढ़कर 85 हो गई है?
– नंजरायण पक्षी अभयारण्य, काजुवेली पक्षी अभयारण्य, तवा जलाशय
- दो साल की अवधि के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के नए निदेशक के रूप में किसे नियुक्त किया गया? – राहुल नवीन
- एंटीबायोटिक दवाओं, विशेष रूप से व्यापक स्पेक्ट्रम वाले, के कारण आंत के बैक्टीरिया में होने वाले व्यवधान का वर्णन करने के लिए किस शब्द का उपयोग किया जाता है? – डिस्बायोटिसिस
- किस केंद्रीय मंत्री ने हाल ही में केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) द्वारा विकसित 'फ्लडवॉच इंडिया' मोबाइल एप्लिकेशन का संस्करण 2.0 लॉन्च किया? – जल शक्ति मंत्री
- मैन-पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (एमपीएटीजीएम) दिन और रात दोनों स्थितियों में प्रभावी ढंग से काम करने के लिए किस उन्नत तकनीक का उपयोग करती है?
– इन्फ्रारेड होमिंग सेंसर और एकीकृत एवियोनिक्स

Face to Face Centres

